भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 4193

सोमवार, 27 मार्च, 2023/6 चैत्र, 1945 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

हिंगोली के तीर्थस्थलों को एक-दूसरे से जोड़ना

4193. श्री हेमन्त पाटिलः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का हिंगोली संसदीय क्षेत्र के तीर्थस्थलों को एक-दूसरे से जोड़कर धार्मिक पर्यटन का विकास करने और पर्यटन में वृद्धि करने और बढ़ावा देने के लिए इन तीर्थस्थलों का विकास करने का विचार है; और

(ख) यदि हां, तो वित्तीय परिव्यय का ब्यौरा क्या है और तत्संबंधी प्रस्ताव की स्थिति क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) और (ख) : पर्यटन का विकास मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन की जिम्मेदारी है तथापि पर्यटन मंत्रालय वर्तमान में जारी अपनी स्वदेश दर्शन, तीर्थस्थान जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक विरासत संवर्धन अभियान (प्रशाद) और केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना के अंतर्गत देश में पर्यटन अवसंरचना के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है । उपरोक्त योजनाओं के तहत प्रस्तावों की प्रस्तुति और परियोजनाओं की स्वीकृति एक सतत प्रक्रिया है जो संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन/केंद्रीय एजेंसी के परामर्श से पूरी की जाती है और यह निधियों की उपलब्धता, उपयुक्त विस्तृत परियोजना रिपोर्टों की प्रस्तुति, योजना दिशानिर्देशों के अनुपालन, चल रही योजनाओं के निष्पादन और पहले जारी की गई निधियों के उपयोग आदि के अध्यधीन है । उपरोक्त के आधार पर पर्यटन मंत्रालय ने महाराष्ट्र राज्य में स्वदेश दर्शन योजना के तहत 2 परियोजनाओं, प्रशाद योजना के तहत 1 परियोजना और केंद्रीय एजेंसियों को सहायता योजना के तहत 3 परियोजनाओं को अनुमोदित किया है । पर्यटन विभाग, महाराष्ट्र सरकार से हिंगोली, महाराष्ट्र के विकास हेतु प्रस्ताव प्राप्त नहीं हुआ है ।

*****